न्यूज डायरी

दुबई रनः भारतीय महिलाओं ने वीलचेयर पर पूरी की दौड़

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। यूएई में दो बुजुर्ग भारतीय महिलाओं ने वीलचेयर पर पांच किलोमीटर की दौड़ सफलतापूर्वक पूरी की। स्थानीय मीडिया के अनुसार, कुसुम भार्गव (86) और ईश्वरी अम्मा (78) ने शुक्रवार को दुबई रन में हिस्सा लिया था।
कुसुम भार्गव (86) दुबई रन में हिस्सा लेने वाली सबसे बुजुर्ग प्रतियोगी थीं। उन्होंने कहा कि उनके लिए यह एक बेहतरीन अनुभव रहा। भार्गव ने कहा, मैं कई लोगों से मिली, जिन्होंने मेरे साथ तस्वीर भी ली। मैंने पांच किलोमीटर की दौड़ पूरी की और इसका श्रेय मेरी बहू को जाता है। वहीं, शारजाह की रहने वाली अमा इसमें हिस्सा लेने वाली सबसे उम्रदराज प्रतिभागियों में से एक थीं। उन्होंने भी अपनी बहू और नाती–पोतों के साथ दौड़ में हिस्सा लिया। उनके परिवार के सदस्यों ने ही दौड़ की शुरुआत से अंत तक व्हीलचेयर को धक्का दिया।

पूर्व ब्राजीलियाई राष्ट्रपति लूला डीसिल्वा जेल से रिहा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) क्यूरिटिबा। भ्रष्टाचार के मामले में डेढ़ साल जेल की सलाखों के पीछे रहे ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डिसिल्वा को अदालत के आदेश के बाद रिहा कर दिया गया।अदालत के इस फैसले के बाद हजारों दोषियों को रिहा किए जाने की संभावना है।काली टी–शर्ट और सूट जैकेट पहने पूर्व राष्ट्रपति लूला डिसिल्वा क्यूरिटिबा में जैसे ही संघीय पुलिस मुख्यालय से बाहर निकले, उन्होंने अपनी मुट्ठी बंद करके अपना हाथ ऊपर उठाया। उनके जेल से बाहर निकलते ही उनके सैकड़ों समर्थकों और पत्रकारों ने उन्हें घेर लिया। लूला ने उन्हें संबोधित करते हुए ब्राजील के आम लोगों के लिए ''लड़ाई जारी रखने'' और ''संघीय पुलिस का झूठा पक्ष'' उजागर करने का संकल्प लिया। इस दौरान उनकी प्रेमिका रोसांगेला डीसिल्वा भी उनके साथ थीं। लूला अप्रैल 2018 से जेल में बंद थे।

सिख समुदाय के सम्मान में अमेरिकी कांग्रेस में प्रस्ताव पेश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका के शीर्ष सांसदों ने अमेरिकी कांग्रेस में एक प्रस्ताव पेश किया है जिसमें गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व को मान्यता देने और देश के प्रति अमेरिकी सिखों के योगदान को सम्मान देने की बात कही गई है। सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक के 550वें प्रकाश पर्व से पहले पेश इस प्रस्ताव में कहा गया है कि अमेरिका और दुनियाभर में रहने वाले सिख उन मूल्यों एवं समानता के विचारों, सेवा तथा ईश्वर के प्रति समर्पण के भाव का पालन करते हैं जिन्हें नानक ने अपने उपदेशों में बताया था। सीनेट में शुक्रवार को डेमोक्रेटिक सीनेटर डिक डर्बिन, बॉब मेनेनडेज और बेन कार्डिन ने यह प्रस्ताव पेश किया, जबकि प्रतिनिधि सभा में यह प्रस्ताव रिपब्लिकन पार्टी के कांग्रेस सांसद ग्रेग पेंस, डेमोक्रेटिक पार्टी से पीटर विस्क्लोस्की की ओर से पेश किया गया। डर्बिन ने कहा, ''अमेरिकी सिख नागरिकों ने अमेरिका की सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विविधता को समृद्ध किया है।

गुरु नानक की 550वीं जयंती पर ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी में लंगर का आयोजन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व के अवसर पर ब्रिटेन का एक विश्वविद्यालय अगले सप्ताह अपने परिसर में लंगर का आयोजन करेगा। बर्मिंघम सिटी यूनिवर्सिटी में यह सालाना आयोजन आमतौर पर फरवरी अथवा मार्च के महीने में होता है, लेकिन गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के मौके पर इसे अगले सप्ताह मंगलवार को आयोजित किया जा रहा है। बर्मिंघम सिटी यूनिवर्सिटी छात्र संघ की सिख सोसाइटी की अध्यक्ष करनजीत कौर ने कहा, यह कार्यक्रम सभी लोगों के लिए हैं फिर चाहे वे किसी भी रंग के,किसी भी पृष्ठभूमि के अथवा धर्म के हों। यह एक अद्भुत पर्व है क्योंकि हम इसके जरिए गुरु नानक देव जी के मानवता और दूसरों की सेवा के संदेश का प्रचार प्रसार करेंगे। कौर ने कहा, हम इस वर्ष इस पर्व को काफी पहले मना रहे हैं क्योंकि जो तिथि हमने चुनी है वह हम सिखों के लिए बेहद खास है।

नवाज शरीफ इलाज कराने के लिए लंदन जाएंगेः मरियम

शरीफ अपनी गंभीर सेहत के कारण विदेश जाकर इलाज कराने पर राजी

सलाह

बीमार शरीफ को रविवार को उपचार के लिए लंदन लेकर जाएंगे उनके भाई शहबाज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लाहौर। पाकिस्तान के बीमार चल रहे पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने डॉक्टरों और परिवार की सलाह पर इलाज कराने के लिए लंदन जाने की बात मान ली है। उनकी बेटी मरियम नवाज ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मीडिया से बातचीत में उन्होंने बताया कि परिवार 69 वर्षीय पीएमएल(एन) सुप्रीमो की सेहत को जोखिम में नहीं डाल सकता , इसलिए उन्हें विदेश भेजने का फैसला लिया गया है। मरियम (46) ने बताया कि वह अपने पिता के साथ नहीं जा सकेंगी, क्योंकि उनका नाम अब भी एग्जिट कंट्रोल लिस्ट (ईसीएल) में है। मरियम के हवाले से कहा, शहबाज शरीफ पूर्व प्रधानमंत्री की यात्रा से संबंधित सभी इंतजाम देख रहे हैं। पिछले साल अपनी मां को खोने के बाद अब मेरे पिता ही मेरे

सबकुछ हैं। गौरतलब है कि शरीफ की पत्नी कुलसुम का पिछले वर्ष लंदन में गले के कैंसर के कारण निधन हो गया था।

लाहौर उच्च न्यायालय से बुधवार को जमानत पर रिहा की गई मरियम ने कहा कि शरीफ अपनी गंभीर सेहत के कारण विदेश जाकर इलाज कराने पर राजी हो गए हैं। शरीफ को बुधवार को लाहौर में उनके जट्टी उमरा रायविंड स्थित आवास ले जाया गया था। वह दो सप्ताह तक कई बीमारियों के इलाज के लिए पाकिस्तान के एक अस्पताल में भर्ती रहे थे। शरीफ (69) का प्लेटलेट काउंट कम होकर 2000 रह गया था, जिसके बाद उन्हें 22 अक्टूबर को सर्विसेज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। वह भ्रष्टाचार निरोधक इकाई की हिरासत में थे।

चौधरी शुगर मिल्स मामले की सुनवाई के लिए लाहौर की जवाबदेही अदालत में पेशी के दौरान पत्रकारों से बातचीत में मरियम ने कहा कि शरीफ को जल्द से जल्द इलाज के लिए विदेश जाना चाहिए। यह पूछे जाने पर कि क्या ईसीएल से पूर्व प्रधानमंत्री का नाम हटाने के लिए कोई अनुरोध किया गया है, इस पर मरियम ने कहा, मुझे नहीं मालूम। जब मैं घर जाऊंगी तो इसे देखूंगी। इससे पहले शरीफ के परिवार के एक सदस्य ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री इस सप्ताह लंदन रवाना हो सकते हैं अगर सरकार उनका नाम ईसीएल से हटा देती है। डॉन अखबार ने शरीफ के परिवार के एक सदस्य के हवाले से कहा, आखिरकार नवाज शरीफ लंदन जाने के लिए राजी हो गए।श समा टीवी ने बताया कि शहबाज ईसीएल से शरीफ का नाम हटाने के लिए अर्जी दायर करेंगे और शुरुआत में कहा गया था कि यह शनिवार को दी जाएगी लेकिन सरकार ने शुक्रवार को अर्जी मिलने की पुष्टि की।

सरकार अगर अनुरोध को मंजूरी दे देती है तो शरीफ अगले सप्ताह रवाना हो जाएंगे। उनकी मेडिकल रिपोर्ट लंदन में डॉक्टरों के पास भेजी गई थी और उन्होंने जल्द से जल्द इलाज के लिए आने की सलाह दी। सरकार के सूत्रों के अनुसार, शरीफ के अनुरोध का मानवीय आधार पर आकलन किया जाएगा।

बुलबुल तूफान का खतरा, तटीय इलाके कराए जा रहे खाली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ढाका। बांग्लादेश में अधिकारियों ने निचले तटीय गांवों और द्वीपों से करीब 18 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का शुक्रवार को आदेश दिया। देश में शनिवार शाम को बेहद शक्तिशाली चक्रवाती तूफान के दस्तक देने की आशंका है।

आपदा प्रबंधन मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि हजारों लोगों को पहले ही सुरक्षित शिविरों में ले जाया गया है। बुलबुल तूफान का खतरा, तटीय इलाके कराए जा रहे खाली 10 दक्षिण पश्चिम तटीय जिलों में लोगों से स्थान खाली कराने की प्रक्रिया चल रही है जिनके चक्रवाती तूफान श्बुलबुलश के ज्यादा चपेट में आने की संभावना है। आपदा मंत्रालय के सचिव शाह कमल ने पत्रकारों से कहा, श्अब तक तीन लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है और हमारी शाम तक संवेदनशील क्षेत्रों से 18 लाख लोगों को शिविरों में ले जाने की योजना है। उन्होंने बताया कि सेना की टुकड़ियों को बुलाया गया है। मौसम विभाग के ताजा बुलेटिन में कहा गया है कि बुलबुल बांग्लादेश के दक्षिणपश्चिम मांगला बंदरगाह से 280 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में स्थित है।

आपदा प्रबंधन और राहत मंत्री इनामुर रहमान ने ढाका में एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि तूफान से निपटने के लिए पर्याप्त कदम उठाए गए हैं। रहमान ने बताया कि करीब 56,000 स्वयंसेवक मदद मुहैया कराने के लिए तैयार हैं।

भूकंप में 5 की मौत, 500 से अधिक घायल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेहरान। ईरान में शुक्रवार को आए 5.9 तीव्रता के भूकंप में घायलों की संख्या 300 से बढ़कर 520 हो गई। ईरान के पूर्वी अजरबैजान प्रांत के टार्क काउंटी में 80 से अधिक सुदूरवर्ती गांवों में बचाव कार्य समाप्त होने के बाद ये आंकड़े सामने आए हैं। यह प्रांत राजधानी तेहरान के उत्तर–पश्चिम में लगभग 400 किलोमीटर दूर है। रिपोर्ट के अनुसार मरने वालों की संख्या नहीं बढ़ी है। घायल 28 व्यक्तियों को अस्पताल में भर्ती किया गया है जबकि जिन लोगों को मामूली चोटें आई थीं, उन्हें छुट्टी दे दी गई। यूरोपियन–मेडिटेरेनियन सीस्मोलॉजिकल सेंटर (ईएमएससी) के अनुसार, लगभग 2 करोड़ लोगों ने ईरान और संभवतः पड़ोसी तुर्की में भूकंप के झटके को महसूस किया।

करतारपुरः सिद्धू ने पाकिस्तानी पीएम इमरान की शान में पढ़े कसीदे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

- सिद्धू ने इमरान की तुलना सिकंदर से की जिसने दिलों को जीतकर दुनिया जीती
- पाकिस्तानी पीएम इमरान और प्रधानमंत्री मोदी को शुक्रिया कहा

करतारपुर। पाकिस्तान में करतारपुर कॉरिडोर के उद्घाटन समारोह में कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने पाकिस्तानी पीएम इमरान खान की शान में जमकर कसीदे पढ़े। कॉरिडोर के लिए उन्होंने इमरान खान के साथ–साथ पीएम मोदी को भी धन्यवाद कहा। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सिद्धू ने शुरुआत ही इमरान खान को इतिहास रचने वाला बताते हुए की।

इमरान की शान में कविता पढ़कर सिद्धू ने अपना भाषण शुरू किया। उन्होंने कहा, है समय नदी की बाढ़ कि अकसर सब बह जाया करते हैं, है समय बड़ा तूफान प्रबल पर्वत भी झुक जाया करते हैं, अकसर दुनिया के लोग समय में चक्कर खाया करते हैं, पर कुछ इमरान खान जैसे होते हैं जो इतिहास बनाया करते हैं।

सिद्धू ने कहा कि वह अपने दोस्त इमरान खान को 14 करोड़ सिखों की तरफ से शुक्रिया कह रहे हैं। कांग्रेस नेता ने पाकिस्तानी पीएम इमरान खान की तुलना सिकंदर से करते हुए कहा, सिकंदर ने डराकर दुनिया जीती

थी, इमरान खान साहब आप वह सिकंदर हैं जिसने दिल जीतकर दुनिया जीती है।

नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा, बंटवारे के बाद पहली बार सीमाएं टूटी हैं। कोई भी मेरे दोस्त इमरान खान के योगदान को नकार नहीं सकता। मैं मोदीजी को भी इसके लिए शुक्रिया कहता हूं। सिद्धू ने कहा कि मैं मोदी साहब को भी मुन्ना भाई वाली झप्पी भेज रहा हूं।

अमेरिका चाहता है दलाई लामा के उत्तराधिकारी का मामला संयुक्त राष्ट्र में उठाया जाएः दूत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता मामलों के लिए अमेरिका के विशेष दूत ने कहा कि अमेरिका चाहता है कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी चुनने का मामला संयुक्त राष्ट्र में उठाया जाए ताकि तिब्बतियों के आध्यात्मिक नेता का उत्तराधिकारी चुनने की चीन की कोशिश को रोका जा सके। अमेरिकी विशेष दूत सैम ब्राउनबैक ने कहा कि उन्होंने 84 वर्षीय दलाई लामा से धर्मशाला में पिछले सप्ताह मुलाकात करके उत्तराधिकारी के मामले पर लंबी चर्चा की थी। ब्राउनबैक ने बताया कि उन्होंने दलाई लामा से कहा कि अमेरिका इस बात के लिए वैश्विक स्तर पर समर्थन हासिल करने की कोशिश करेगा कि अगले आध्यात्मिक नेता का चयन ''चीन सरकार नहीं बल्कि बौद्ध धर्म के अनुयायी तिब्बती करें''। उन्होंने कहा, ''मैं उम्मीद करता हूं कि संयुक्त राष्ट्र इस मामले को उठाएगा।'' ब्राउनबैक ने स्वीकार किया कि सुरक्षा परिषद में वीटो शक्ति रखने वाला चीन इस संबंधी हर कदम को बाधित करने की कोशिश करेगा लेकिन बाकी देश संयुक्त राष्ट्र में अपनी आवाज तो उठा सकते है।